परिशिष्ट

चित्र नं-25

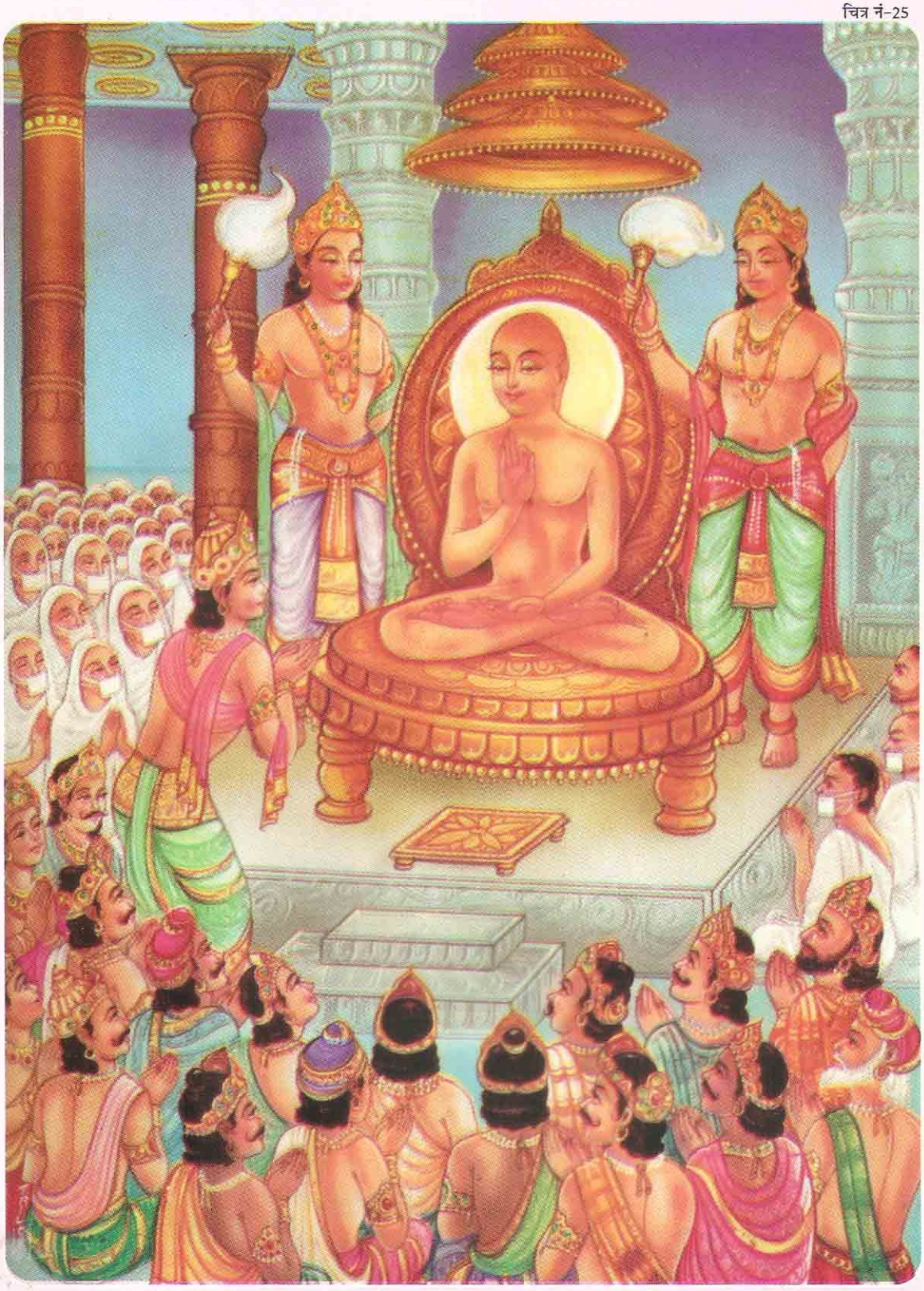

पावापुरी में प्रभु की अंतिम देशना का दृश्य

विवरण 269 पेज पर

चित्र नं-26

तीर्थंकर परिचय

संख्या	नाम	लांछन	वंश नाम	पिता	माता
०१.	ऋषभदेव	वृषभ	इक्ष्वाकु	नाभि	मरुदेवी
०२.	अजितनाथ	गज	इक्ष्वाकु	जितशत्रु	विजया
०३.	संभवनाथ	अश्व	इक्ष्वाकु	जितारि	सेना
०४.	अभिनंदन	बंदर	इक्ष्वाकु	संवर	सिद्धार्था
०५.	सुमतिनाथ	क्रौंच-पक्षी	इक्ष्वाकु	मेघरथ	सुमंगला
०६.	पद्मप्रभ	पद्म	इक्ष्वाकु	श्रीधर	सुसीमा
०७.	सुपार्श्वनाथ	स्वस्तिक	इक्ष्वाकु	प्रतिष्ठ	पृथ्वी
०८.	चन्द्रप्रभ	चन्द्र	इक्ष्वाकु	महसेन	लक्ष्मणा
०९.	सुविधिनाथ	मकर	इक्ष्वाकु	सुग्रीव	रामा
१०.	शीतलनाथ	श्रीवत्स	इक्ष्वाकु	दृढ़रथ	नंदा
११.	श्रेयांसनाथ	गेंडा	इक्ष्वाकु	विष्णु	विष्णु
१२.	वासुपूज्य	महिष	इक्ष्वाकु	वासुपूज्य	जया
१३.	विमलनाथ	शूकर	इक्ष्वाकु	कृतवर्म	स्यामा
१४.	अनंतनाथ	बाज पक्षी	इक्ष्वाकु	सिंहसेन	सुयशा
१५.	धर्मनाथ	वज्र	इक्ष्वाकु	भानु	सुव्रता
१६.	शांतिनाथ	मृग	इक्ष्वाकु	विश्वसेन	अचिरा
१७.	कुंथुनाथ	बकरा	इक्ष्वाकु	सूर	श्री
१८.	अरनाथ	नन्दावर्त	इक्ष्वाकु	सुदर्शन	देवी
१९.	मल्लिनाथ	कुम्भ	इक्ष्वाकु	कुम्भ	प्रभावती
२०.	मुनिसुव्रत	कछुवा	हरिवंश	सुमित्र	पद्मावती
२१.	नमिनाथ	नील कमल	इक्ष्वाकु	विजय	वप्रा
२२.	अरिष्टनेमि	शंख	हरिवंश	समुद्रविजय	शिवादेवी
२३.	पार्श्वनाथ	सर्प	इक्ष्वाकु	अश्वसेन	वामादेवी
२४.	महावीर	सिंह	इक्ष्वाकु	सिद्धार्थ	त्रिशला

संख्या	च्यवन स्थान	यवन तिथि	जन्म भूमि	जन्म तिथि	दीक्षा तिथि	ज्ञान स्थान	ज्ञान तिथि
०१.	सर्वार्थसिद्ध	४-II-४	विनीता	१-II-८	१-II-८	पुरिमताल	१२-II-११
०२.	विजय	२-II-१३	विनीता	११-I-८	११-II-९	अयोध्या	१०-II-११
०३.	सप्तम ग्रैवेयक	१२-I-८	सावत्थी	१-I-१४	९-II-१५	सावत्थी	८-II-५
०४.	जयंत	२-I-४	विनीता	११-I-२	११-I-२	अयोध्या	१०-II-१४
०५.	जयंत	५-I-२	विनीता	२-I-८	२-I-९	अयोध्या	१-II-११
०६.	नवम ग्रैवेयक	११-II-८	कौशाम्बी	८-II-१२	८-II-१३	कौशांबी	१-I-१५
०७.	षष्ठ ग्रैवेयक	६-II-८	वाराणसी	३-I-१२	३-I-१३	वाराणसी	१२-II-६
०८.	वैजयन्त	१-II-५	चंद्रपुरी	१०-II-१२	१०-II-१३	चंद्रपुरी	१२-II-७
०९.	आनत	१२-II-९	काकंदी	९-II-५	९-II-६	काकंदी	८-I-३
१०.	प्राणत	२-II-६	भद्दिलपुर	११-II-१२	11-II-12	भद्दिलपुर	१०-II-१४
११.	अच्युत	३-II-६	सिंहपुरी	१२-II-१२	१२-II-१३	सिंहपुरी	११-II-१५
१२.	प्राणत	३-I-९	चम्पापुरी	१२-II-१४	१२-I-१४	चम्पापुरी	११-I-२
१३.	सहस्रार	२-I-१२	कम्पिलपुर	११-I-३	११-I-४	कम्पिलपुर	१०-I-६
१४.	प्राणत	५-II-७	विनीता	२-II-१३	२-II-१४	अयोध्या	२-II-१४
१५.	विजय	२-I-७	रत्नपुरी	११-I-३	११-I-१३	रत्नपुरी	१०-I-१५

संख्या	च्यवन स्थान	च्यवन तिथि	जन्म भूमि	जन्म तिथि	दीक्षा तिथि	ज्ञान स्थान	ज्ञान तिथि
१६.	सर्वार्थसिद्ध	६-II-७	हस्तिनापुर	३-II-१३	३-II-१४	हस्तिनापुर	१०-I-९
१७.	सर्वार्थसिद्ध	५-II-९	हस्तिनापुर	२-II-१४	९-II-५	हस्तिनापुर	१-I-३
१८.	सर्वार्थसिद्ध	१२-I-२	हस्तिनापुर	९-I-१०	९-I-११	मिथिला	८-I-१२
१९.	जयंत	१२-I-४	मिथिला	९-I-११	९-I-११	मथुरा	९-I-११
२०.	अपराजित	५-I-१५	राजगृह	३-II-८	१२-I-१२	राजगृह	१२-II-१२
२१.	प्राणत	४-I-१५	मथुरा	५-II-८	४-II-९	मथुरा	९-I-११
२२.	अपराजित	८-II-१२	सौरीपुर	५-I-५	५-I-६	गिरनार	७-II-१५
२३.	प्राणत	१-II-४	वाराणसी	१०-II-११	४-II-९	वाराणसी	१-II-४
२४.	प्राणत	४-I-६	क्षत्रियकुण्ड	१-II-१३	९-II-१०	ऋजुबालुका नदी	२-II-१०

नोट : तिथियों के उल्लेख में प्रथम संख्या माह की है-१=चैत्र, २=वैशाख, ३=ज्येष्ठ, ४=आषाढ़, ५=श्रावण, ६=भाद्रपद, ७=आसोज, ८=कार्तिक, ९=मंगसर, १०=पौष, ११=माघ, १२=फाल्गुन।
दूसरी संख्या पक्ष की है-शुक्ल पक्ष=I, कृष्ण पक्ष=II
तीसरी संख्या 1 से 15 तिथियों की है।

संख्या	निर्वाण स्थान	निर्वाण तिथि	छद्मस्थ काल	आयुष्य	प्रधान गणधर	गणधरों की संख्या	साधु संख्या
०१.	अष्टापद गिरि	११-II-१३	१,००० वर्ष	८४ लाख पूर्व	पुण्डरीक	८४	८४ हजार
०२.	सम्मेत शिखर	१-I-९	१२ वर्ष	७२ लाख पूर्व	सिंहसेन	९५	१ हजार
०३.	सम्मेत शिखर	१-I-९	१४ वर्ष	६० लाख पूर्व	चारू	१०२	२ हजार
०४.	सम्मेत शिखर	२-I-८	१८ वर्ष	५० लाख पूर्व	वज्रनाभ	११६	३ लाख
०५.	सम्मेत शिखर	१-I-९	२० वर्ष	४० लाख पूर्व	चमर	१००	३.२ लाख
०६.	सम्मेत शिखर	९९-II-११	६ माह	३० लाख पूर्व	सुव्रत	१०७	३.३ लाख
०७.	सम्मेत शिखर	१२-II-७	९ माह	२० लाख पूर्व	विदर्भ	१५	३ लाख
०८.	सम्मेत शिखर	६-II-७	३ माह	१० लाख पूर्व	दत्त	९३	२.५ लाख
०९.	सम्मेत शिखर	६-I-९	४ माह	२ लाख पूर्व	वराहक	८८	२ लाख
१०.	सम्मेत शिखर	२-II-२	३ माह	१ लाख पूर्व	आनंद	८१	१ लाख
११.	सम्मेत शिखर	५-II-३	२ माह	८४ लाख वर्ष	गोशुभ	७६	८४ लाख
१२.	चम्पापुरी	४-I-१४	१ माह	७२ लाख वर्ष	सुभूम	६६	७२ लाख
१३.	सम्मेत शिखर	४-II-७	२ माह	६० लाख वर्ष	मन्दर	५७	६८ लाख
१४.	सम्मेत शिखर	१-I-९	३ वर्ष	३० लाख वर्ष	यशोधर	५०	६६ लाख
१५.	सम्मेत शिखर	३-I-९	२ वर्ष	१० लाख वर्ष	अरिष्ट	४३	६४ लाख
१६.	सम्मेत शिखर	३-II-१३	१ वर्ष	१ लाख वर्ष	चक्रायुध	३६	६२ लाख
१७.	सम्मेत शिखर	२-ii-१	१६ वर्ष	९५ हजार वर्ष	स्वयंभू	३५	६० लाख
१८.	सम्मेत शिखर	९-I-१०	३ वर्ष	८४ हजार वर्ष	कुंभ	३३	५० लाख
१९.	सम्मेत शिखर	१२-II-१२	१ दिन	५५ हजार वर्ष	अभीक्षक	२८	४० लाख
२०.	सम्मेत शिखर	३-II-९	११ माह	३० हजार वर्ष	इन्द्र	१८	३० लाख
२१.	सम्मेत शिखर	२-II-१०	९ माह	१० हजार वर्ष	शुभ	१७	२० हजार
२२.	गिरनार	४-I-८	५४ दिन	१ हजार वर्ष	वरदत्त	११	१८ हजार
२३.	सम्मेत शिखर	९-i-८	८४ दिन	१०० वर्ष	दिन्न	१०	१६ हजार
२४.	पावापुरी	८-II-१५	½ वर्ष	७२ वर्ष	इन्द्रभूति	११	१४ हजार

संख्या	प्रधान साध्वी	साध्वी संख्या	श्रावक संख्या	श्राविका संख्या	शरीर वर्ण	शासन देव	शासन देवी
०१.	ब्राह्मी	३ लाख	३.५ लाख	५.५४ लाख	सुवर्ण	गोमुख	चक्रेश्वरी
०२.	फाल्गु	३.३ लाख	२.१८ लाख	५.४५ लाख	सुवर्ण	महायक्ष	अजितबाला
०३.	श्यामा	३.३६ लाख	९.९३ लाख	६.३६ लाख	सुवर्ण	त्रिमुख	दुरितारि
०४.	अजिता	६.३ लाख	२.८८ लाख	५.२७ लाख	सुवर्ण	यक्षनायक	काली
०५.	काश्यपी	५.३ लाख	२.८१ लाख	५.१६ लाख	सुवर्ण	तुंबरू	महाकाली
०६.	रति	४.२ लाख	२.७६ लाख	५.०५ लाख	रक्त	कुसुम	श्यामा
०७.	सोमा	४.३ लाख	२.५७ लाख	४.९३ लाख	सुवर्ण	मातंग	शान्ता
०८.	सुमना	३.८ लाख	२.५ लाख	४.९९ लाख	श्वेत	विजय	भृकुटि
०९.	वारुणि	१.२ लाख	२.२९ लाख	४.७१ लाख	श्वेत	अजित	सुतारका
१०.	सुयशा	१ लाख	२.८९ लाख	४.५८ लाख	श्वेत	ब्रह्मा	अशोका
११.	धारिणी	१.०३ लाख	२.७९ लाख	४.४८ लाख	सुवर्ण	यक्षराज	मानवी
१२.	धरणी	लाख	२.१५ लाख	४.३६ लाख	रक्त	कुमार	चंडा
१३.	धरा	१.००८ लाख	२.०८ लाख	४.२४ लाख	सुवर्ण	षणमुख	विदिता
१४.	पद्मा	६२ हजार	२.०६ लाख	४.१४ लाख	सुवर्ण	पाताल	अंकुशा
१५.	शिवा	६२.४ लाख	२.०४ लाख	४.१३ लाख	सुवर्ण	किन्नर	कंदर्पा
१६.	शुचि	६१.६ लाख	१.९ लाख	३.९३ लाख	सुवर्ण	गरुड़	निर्वाणी
१७.	दामिनी	६०.६ लाख	१.७९ लाख	३.८ लाख	सुवर्ण	गंधर्व	बला
१८.	रक्षिता	६० लाख	१.८४ लाख	३.७२ लाख	सुवर्ण	यक्षराज	धारिणी
१९.	बंधुमती	५५ लाख	१.८३ लाख	३.७ लाख	नील	कुबेर	धरणप्रिया
२०.	पुष्पवती	३० लाख	१.७२ लाख	३.५ लाख	कृष्ण	वरुण	नरदत्ता
२१.	अनिला	४१ लाख	१.७ लाख	३.४८ लाख	सुवर्ण	भृकुटि	गांधारी
२२.	यक्ष दिन्ना	४० लाख	१.६९ लाख	३.३६ लाख	कृष्ण	गोमेध	अम्बिका
२३.	पुष्पचूला	३८ लाख	१.६४ लाख	३.३९ लाख	नील	--	पद्मावती
२४.	चन्दनबाला	३६ लाख	१.५९ लाख	३.१८ लाख	सुवर्ण	ब्रह्मशांति	सिद्धायिका

श्रमण भगवान महावीर के ग्यारह गणधर

क्र. सं.	नाम	माता	पिता	गोत्र	जन्म स्थान	आयु				निर्वाण काल	निर्वाण स्थल	शिष्य संख्या
						गृहस्थ	छद्मस्थ	केवला	सर्वायु			
०१.	इन्द्रभूति	पृथ्वी	वसुभूति	गौतम	गोबर ग्राम (मगध)	५०	३०	१२	९२ म.नि.प.	१ वी. नि.	वैभारगिरि (राजगृह)	५००
०२.	अग्निभूति	पृथ्वी	वसुभूति	गौतम	गोबर ग्राम (मगध)	४६	१२	१६	७४ वी.नि.पू.	१४ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	५००
०३.	वायुभूति	पृथ्वी	वसुभूति	गौतम	गोबर ग्राम (मगध)	४२	१०	१८	७० वी.नि.पू.	१४ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	५००
०४.	व्यक्त	वारुणी	धनमित्र	भारद्वाज	कोल्लाग सन्निवेश	५०	१२	१८	८० वी.नि.पू.	१२ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	५००
०५.	सुधर्मा	भद्दिला	धम्मिल	अग्नि वैश्यायन	कोल्लाग सन्निवेश	५०	४२	८	१०० म.नि.प.	८ वी.नि.	वैभारगिरि (राजगृह)	३५०
०६.	मंडिक	विजया देवी	धनदेव	मौर्य	वशिष्ठ सन्निवेश	५३	१४	१६	८३ वी.नि.पू.	१२ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	३५०
०७.	मौर्य पुत्र	विजया देवी	मौर्य	काश्यप	मौर्य सन्निवेश	६५	१४	१६	९५ वी.नि.पू.	१२ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	३५०
०८.	अकम्पित	जयन्ती	वसु	हारीत	मिथिला	४६	१२	१४	७२ वी.नि.पू.	१२ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	३००
०९.	अचल भ्राता	नन्दा	वसु	गौतम	कोसल	४८	९	२१	७८ वी.नि.पू.	१६ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	३००
१०.	मेतार्य	वरुणा देवी	दत्ता	कौंडिन्य	तुंगिय सन्निवेश (कौशाम्बी)	३६	१०	१६	६२ वी.नि.पू.	१६ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	३००
११.	प्रभास	अतिभद्रा	बल	कौंडिन्य	राजगृह	१६	८	१६	४० वी.नि.पू.	१८ वी.नि.पू.	वैभारगिरि (राजगृह)	३००

नोट : वी.नि.पू.=वीर निर्वाण से पूर्व, म.नि.प.=महावीर निर्वाण के पश्चात

काल गणना

काल के इस स्थूल विभाजन के साथ ही जैन ग्रंथों में काल का अति सूक्ष्म, विस्तृत और वैज्ञानिक विभाजन भी उपलब्ध है। इस विभाजन के दो अंग हैं-प्रथम संख्यात काल तथा दूसरा औपमिक काल।

संख्यात काल :

सूक्ष्मतम निर्विभाज्य काल	=	१ समय
असंख्यात समय	=	१ आवलिका
संख्यात आवलिका	=	१ उच्छ्वास अथवा १ निःश्वास
१ उच्छवास+1 निःश्वास	=	१ प्राण
७ प्राण	=	१ स्तोक
७ स्तोक	=	१ लव
७७ लव	=	१ मुहूर्त्त
३० मुहुर्त्त	=	१ अहोरात्र
१५ अहोरात्र	=	१ पक्ष
२ पक्ष	=	१ मास
२ मास	=	१ ऋतु
३ ऋतु	=	१ अयन
२ अयन	=	१ संवत्सर
५ संवत्सर	=	१ युग
२० युग	=	१ शताब्दी
१० शताब्दी	=	१ सहस्राब्दी
१०० सहस्राब्दी	=	१ लक्षाब्दी
८४ लक्षाब्दी	=	१ पूर्वांग
८४ लक्ष पूर्वांग	=	१ पूर्व

पूर्व के बाद पच्चीस इकाइयां और हैं जो प्रत्येक पूर्ववर्ती इकाई से ८४ लाख गुणा अधिक हैं। अंतिम इकाई का नाम शीर्ष प्रहेलिका है जिसमें ५४ अंकों के बाद १४० शून्य होते हैं। यह लगभग ७.५८२×१०^{१९३} के बराबर होती है।

औपमिक काल :

यह वह काल है जिसे संख्याओं या गणित से नहीं मापा जा सकता। अतः इसे समझने के लिए उपमा की आवश्यकता होती है। इसकी सबसे छोटी इकाई का नाम पल्पोपम। पल्पोपम का परिणाम समझने के लिए शास्त्रोक्त परिभाषा है : एक योजन लम्बा-चौड़ा-गहरा प्याले के आकार का गड्ढा खोदा जाए जिसकी परिधि तीन योजन है। उसे उत्तर कुरु के मनुष्य के एक दिन से सात दिनों तक के बालाग्र (अत्यंत सूक्ष्म बाल का अग्र भाग) से ऐसे ठसाठस भर दिया जाए कि जल और वायु भी प्रवेश न कर सके। फिर उसमें से एक-एक बालाग्र प्रत्येक 100 वर्ष के बाद निकाला जाए। इस प्रकार जितने समय में वह पल्य (गड्ढा) खाली हो जाए उस काल को पल्योपम कहते हैं।

10 कोटा-कोटि पल्योपम=1 सागरोपम

10 कोटा-कोटि सागरोपम=1 उत्सर्पिणी अथवा 1 अवसर्पिणी

20 कोटा-कोटि सागरोपम=1 काल-चक्र

प्रकाशन सहयोगी उदार महानुभाव

स्वर्गीय श्रीमती पपिल जैन धर्मपत्नी श्री विजय कुमार जैन
अमित इम्पैक्स, सदर बाजार, दिल्ली

श्री सीता राम जैन
सीता राम जैन एंड संज
मलौट

स्व.श्री विरेन्द्र जैन
तलवाड़ा

श्री वीरेन्द्र मुरगई
एस.एस.रबर, पी-8
स्पोर्टस एंड सर्जिकल
कम्पलैक्स, जलंधर

श्री तरसेम कुमार जैन
वर्धमान बाक्स फै.
अंबाला शहर

श्रीमती विमला जैन
धर्मपत्नी श्री रमेश जैन, वी.के.वाल्वस, जलंधर

श्री रमेश कुमार जैन
इन्दौर

श्री सुशील जैन
मसानिया मल आलू मल जैन, अंबाला

स्व. श्री पवन कुमार जैन
आर.टी.ओ., सोनीपत

श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन
धर्मपत्नी श्री स्वरूप चंद जैन,गोबिंदगढ़

श्रीमती दर्शना जैन धर्मपत्नी श्री शीतल प्रकाश जैन
गार्डन हौजरी, लुधियाना

श्रीमती संतोष जैन धर्मपत्नी श्री निर्मल कुमार जैन
मेघा हौजरी, लुधियाना

श्रीमती ऊषा जैन धर्मपत्नी श्री राजिन्द्र कुमार जैन
राजिन्द्र डाईंज एडं कैमिकल्ज, लुधियाना

श्रीमती प्रोमिला जैन धर्मपत्नी श्री धर्मपाल जैन (मालकस)
सुन्दर नगर, लुधियाना